तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 19 .0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 23 सितंबर 2025

11 25 को होगा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना एप का शुभारंभ, महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपये महीना

12 अपराधियों को पनाह दी तो खैर नहीं, होगी कड़ी कानूनी कार्यवाही: एसपी हेमेंद्र मीणा

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बावल। थाना कसोला पुलिस ने सांपली में मई माह में हुए झगड़े के बाद दर्ज केस में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति पक्ष के बयान पर गत 26 मई को कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने सांपली निवासी संतोष देवी और चिरंजीलाल को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। बावल थाना पुलिस ने 5 मई को बनीपुर चौक के पास हुए हादसे के बाद दर्ज मामले में नांगल शहबाजपुर निवासी सुरेश को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने 15 सितंबर को हुए हादसे के बाद फरार वाहन चालक यूपी के पीहुआ निवासी जितेंद्र को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए ने जून माह में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शहर में नशीला पदार्थ बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया था कि उसे नशीला पदार्थ राजस्थान के अलवर निवासी विकास ने मुहैया कराया था। पुलिस ने आरोपी विकास को काबू कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

निवारक कार्यवाही के तहत चार काबू

बावल। थाना बावल पुलिस ने बीदावास गांव में आपसी विवाद में झगड़े की आशंका को देखते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। विवाद के चलते एक पक्ष की ओर से पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई थी। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने के कारण पुलिस ने गांव निवासी मनोज, शिवचरण, राजपाल व अजीत को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को उन्हें लॉकअप में बंद करने के बाद सोमवार को कोर्ट में पेश कर दिया। कोर्ट ने आरोपियों को जमानत पर रिहा कर दिया।

कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक आज

रेवाड़ी। वोट चोरी के मामले में हस्ताक्षर अभियान को गति प्रदान करने के लिए कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक 23 सितंबर को विजय नगर पोसवाल चौक पर होगी। बैठक में पूर्व मंत्री डा. एमएल रंगा, पूर्व विधायक चिरंजीव राव, पूर्व मंत्री जगदीश यादव व पार्टी के दूसरे नेता हस्ताक्षर अभियान पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। पार्टी के जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी ने पार्टी के पूर्व ब्लॉक अध्यक्षों व कार्यकर्ताओं को मीटिंग में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

भाड़ावास गांव से घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

रेवाड़ी। गांव भाड़ावास से चोर घर के बाहर खड़ी मोटर साइकिल चोरी कर ले गए। भाड़ावास निवासी कार्तिक पुत्र ने थाना रामपुरा पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 20 सितंबर की रात को उसने अपनी मोटर साइकिल घर के बाहर खड़ी की थी। जब 21 सितंबर को सुबह करीब सुबह 6 बजे बाहर आकर देखा तो वहां से बाइक गायब थी। गांव में पूछताछ करने व काफी तलाश करने पर जब बाइक नहीं मिली तो उसने पुलिस को शिकायत दी।

निजी व सरकारी अस्पतालों में खांसी, जुकाम व बुखार के मरीजों की ओपीडी में हो रहा इजाफा

सितंबर में 65 मरीज मिलने से 187 पर पहुंचा डेंगू का आंकड़ा, लार्वा मिलने पर 2668 को थमाएं नोटिस

जिले में इस वर्ष भी फोगिंग का कार्य सुस्त चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मानसून सीजन विदाई की ओर अग्रसर है, लेकिन जिले में डेंगू के मरीजों को आंकड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। डेंगू के मच्छरों का लार्वा पनपने से बीमारी का प्रकोप काफी बढ़ रहा है। इन दिनों में निजी व सरकारी अस्पतालों में खासी, जुकाम व बुखार के मरीजों की ओपीडी में भी काफी इजाफा हो रहा है। जिले में सितंबर माह में डेंगू के केस भी लगातार आ रहे है। जिले में इस वर्ष भी फोगिंग का कार्य सुस्त चल रहा है। सोमवार को तीन डेंगू पॉजिटिव मरीज और मिलने से सीजन में आंकड़ा 187 पर पहुंच गया है। इन आंकड़ों में अभी तक 101 डेंगू मरीज अगस्त माह व सिंतबर माह में 65 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिले है। गत वर्ष 2024 में सितंबर माह में 53 डेंगू के मरीज मिले थे। इसके अलावा अब तक मलेरिया के भी 14 केस मिल चुके है। डेंगू पॉजिटिव केसों के आने से ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स की भी डिमांड बढ़ने लगी है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रतिदिन डेंगू व मलेरियां संभावित लोगों की स्लाइड तैयार की जा रही है। इसके साथ ही ब्रीडिंग चेकर घरों में कूलर, पानी की टंकी, फ्रीज -ट्रे व पशुओं की खेल में भरे हुए पानी में लार्वा की जांच कर रहे है। जांच के दौरान मच्छर का लार्वा मिलने पर लोगों को नोटिस भी दिए जा रहे है। स्वास्थ्य विभाग की टीम अभी तक लार्वा मिलने पर 2668 लोगों को नोटिस थमा चुकी है। गत वर्ष जिले में 411 डेंगू व 9 मलेरिया के केस आए थे। मलेरिया हेल्थ हरिप्रकाश ने बताया कि डेंगू केस वाले इलाकों में फोगिंग की जा रही है। अब तक 1858985 घरों में मॉस फीवर सर्वे किया जा चुका है। अब तक डेंगू संभावित बुखार पीड़ति 3141 लोगों के सेंपल भी लिए जा चुके है। अभी तक शहर में 71, सीएचसी गुरावड़ा में 9, सीएचसी मीरपुर में 18, सीएचसी बावल में 41, सीएचसी खोल में 37 व सीएचसी नाहड़ के अर्न्तगत 11 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। लार्वा की रोकथाम के लिए दवा का छिड़काव किया जा रहा हैं।

▶▶ डेंगू पॉजिटिव केसों के आने से ब्लड बैंकों में प्लेटलेट्स की भी डिमांड बढ़ने लगी है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रतिदिन डेंगू व मलेरियां संभावित लोगों की स्लाइड तैयार की जा रही है।

रेवाड़ी। पानी के बर्तन में दवाई डालते हुए स्वास्थ्य कर्मी। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। लार्वा मिलने पर नोटिस देते हुए स्वास्थ्यकर्मी।

डेंगू-मलेरिया से बचाव

डेंगू व मलेरिया बीमारियों से बचाव के लिए घर में आसपास साफ-सफाई रखे। ठहरे हुए पानी में काला तेल डाले। घरों के बर्तन, कूलर, पानी की टंकी व पशुओं की खेल की सफाई करते रहे, जिससे मच्छा का लार्वा न पनप सके। डेंगू व मलेरिया के लक्षण होने पर ब्लड की जांच कराकर डॉक्टर की सलाह पर ही दवाईयां ले। ज्यादा से ज्यादा पेय पद्धार्थो का सेवन करें।

प्लेटलेट्स कम होने पर ज्यादा सावधानी बरतें

मौसमी बीमारियां होने पर मरीज अपने आप कोई भी टेबलेट न लेकर डॉक्टर की सलाह पर ही ट्रीटमेंट शुरू करे। ज्यादा से ज्यादा साफ पानी पीएं व बासी खाना न खाएं। प्लेटलेट्स कम होने पर ज्यादा सावधानी बरते। यदि किसी व्यक्ति को पहले डेंगू हो चुका है तो उसे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

-डा. अमित यादव, डिप्टी सिविल सर्जन रेवाड़ी।

3809.55 लाख रुपये की योजनाओं का हुआ उद्घाटन

रेवाड़ी। विकास योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करते हुए राव इंद्रजीत सिंह।

सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए सतत प्रयासरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

केंद्रीय सांख्यिकी, कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं योजना राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने नवरात्र के पर्व पर सोमवार को लघु सचिवालय परिसर में जिले की ग्रामीण विकास से जुड़ी 3809.55 लाख रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करते हुए आमजन को समर्पित किया। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए सतत प्रयासरत है। इन परियोजनाओं से नागरिकों को पेयजल व सौंदर्यकरण के साथ ही गलियों में बेहतर सुविधाओं का लाभ ग्रामीणों को मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने जनस्वास्थ्य विभाग की गांव माजरा गुरदास में 493.87 लाख रुपये की लागत से नहरी जल आधारित पेयजल वितरण परियोजना, गांव माजरा गुरदास के नहरी जल आधारित पेयजल परियोजना के अंतर्गत गांव कोनसीवास में 55.09 लाख रुपये की लागत से पेयजल बूस्टिंग स्टेशन का शिलान्यास व जिला परिषद के 159 गांवों में 1436 लाख की लागत से निर्मित होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। सांसद निधि कोष के तहत जिले के 21 गांवों के लिए 168.51 लाख की लागत से कराए गए विभिन्न विकास कार्यो का उद्घाटन, जिला परिषद के 144 गांवों में 299.36 लाख रुपये की लागत से लगवाई गई सोलर लाइट का उद्घाटन, पंचायत समिति रेवाड़ी के 65 गांवों में 909.30 लाख की लागत से कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन तथा पंचायत समिति बावल के 24 गांवों में 447.39 लाख की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, विधायक बावल डा. कृष्ण कुमार, विधायक कोसली अनिल यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली, जिला परिषद चेयरमैन मनोज यादव, वाइस चेयरपर्सन प्रतिनिधि अनिल रायपुर, नगर परिषद चेयरपर्सन पूनम यादव, धारूहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन कंवल सिंह, डीसी अभिषेक मीणा, एचएसवीपी प्रशासक वैशाली सिंह व एडीसी एवं सीईओ जिला परिषद राहुल मोदी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नवरात्र पर सोलहराही धाम में सजा दुर्गा माता का आलौकिक दरबार

रेवाड़ी। सोलहराही धाम पर माता की पूजा करते श्रृद्धालु। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। सेक्टर एक श्री श्याम मंदिर सोलहराही धाम में शारदीय नवरात्रों के अवसर पर श्याम दीवाना मंडल की ओर से माता का आलौकिक पंडाल सजाया गया है, जिसमे मां की दिव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। नवरात्र के प्रथम दिन मंदिर के पुजारी दिलीप शास्त्री ी विधि विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। इस मौके पर मंडल के प्रधान मनोज यादव सहपरिवार पूजा में उपस्थित थे। श्याम दीवाना मंडल के सचिव थावर सिंह ने बताया कि शारदीय नवरात्रों के पावन अवसर पर 2 अक्टूबर तक प्रत्येक दिन सुबह 9 बजे से पूजन किया जाएगा और शाम 5 बजे से श्रृद्धालुओं की ओर से भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। इस अवसर पर श्याम दीवाना मंडल के संस्थापक श्याम सुंदर आहूजा, नवनीत सोनी, नरेश गुल्यानी, जितेन्द्र वर्मा, हरि कृष्ण, सोनू वर्मा, महेश रावत, दीपेन्द्र शर्मा, पूजा सोनी, रिधिमा व रेखा शर्मा सहित अनेक श्रृद्धालु मौजूद थे।

तहसीलदार ने सुनी लोगों की समस्याएं

मंडी अटेली। सेवा पर्व पखवाड़े के अंतर्गत अटेली राजस्व विभाग की ओर से जिला महेंद्रगढ़ प्रशासन के सौजन्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें तहसीलदार पायल यादव ने लोगों की राजस्व संबंधी समस्याएं सुनी।

मंदिर व रिहायशी क्षेत्र के पास से शराब ठेका हटवाने की मांग

रेवाड़ी। सुधराना गांव में मंदिर व रिहायशी क्षेत्र के समीप स्थित शराब का ठेका।

- स्कूल, कॉलेज व मंदिर से 150 मीटर के दायरे में शराब ठेका खोला जाना वर्जित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

सुधराना गांव की ग्राम पंचायत व ग्रामीणों ने जिला आबकारी एवं कराधान आयुक्त को पत्र देकर गांव में रिहायशी मकानों व मंदिर के नजदीक शुरू किए गए शराब के ठेके को हटवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गांव सुधराना में शराब का ठेका 29 अगस्त तक साल्हावास रोड पर चल रहा था, लेकिन उसी दिन शाम को अचानक साल्हावास रोड से ठेका लिलोढ रोड पर खोल दिया गया, जो कि मंदिर से केवल 135 मीटर की दूरी पर स्थित है। सरकार की आबकारी नीति के तहत स्कूल, कॉलेज व मंदिर से 150 मीटर के दायरे में शराब ठेका खोला जाना वर्जित है। सरपंच प्रतिनिधि श्यानुराम व रामचंद्र दहिया सहित आसपास रहने वाले पुरुषों एवं महिलाओं ने एकत्र होकर एक सितंबर को ठेकेदार महेंद्र सिंह को बुलाकर गांव की आपत्ति से अवगत कराया था। गांव के 10-12 लोगों की उपस्थिति में मंदिर से लेकर शराब ठेके तक फीते से पैमाइश भी की गई है। इसके अलावा बस्ती के बीच में होने से महिलाओं व बच्चों पर दुष्प्रभाव पड़ता है, लेकिन अभी तक 20 दिन से ज्यादा का समय बीत चुका है। ठेकेदार ने ठेका उठाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने सरकार से शराब ठेका हटवाने की मांग की है।

व्यक्ति के साथ एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी 33 हजार रुपये निकाले

- पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज जांच शुरू कर दी

रेवाड़ी। नाईवाली चौक स्थित यूनियन बैंक के एटीएम पर एक युवक ने व्यक्ति का एटीएम कार्ड बदल कर धोखाधड़ी कर ली। युवक ने व्यक्ति के खाते से 33000 रुपये भी निकाल लिए। विकास नगर गली नंबर-3 निवासी चंदर सिंह ने भाड़ावास गेट चौकी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 8 सितंबर को करीब 9:20 बजे पर नाईवाली चौक स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम बूथ में पैसे निकलवाने आया था। जब वह अपने खाते से 20 हजार रुपये निकालकर जा रहा था तो एक अंजान शख्स ने उसे वापस बुलाकर एटीएम में मैसेज लाने का बोलकर एटीएम कार्ड ले लिया और एटीएम पिन वैरिफाई करके कार्ड बदल कर उसे चकमा देकर दूसरा एटीएम कार्ड दे दिया। इसके बाद चंदर सिंह घर चला आया। जब वह 19 सितंबर को पैसे निकालने एटीएम बूथ पर गया तो उसका पिन नंबर गलत बता रहा था। जब उसने एटीएम कार्ड पर किसी और का नाम राधेश्याम देखा तो उसे धोखाधड़ी का पता चला। पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज जांच शुरू कर दी है।

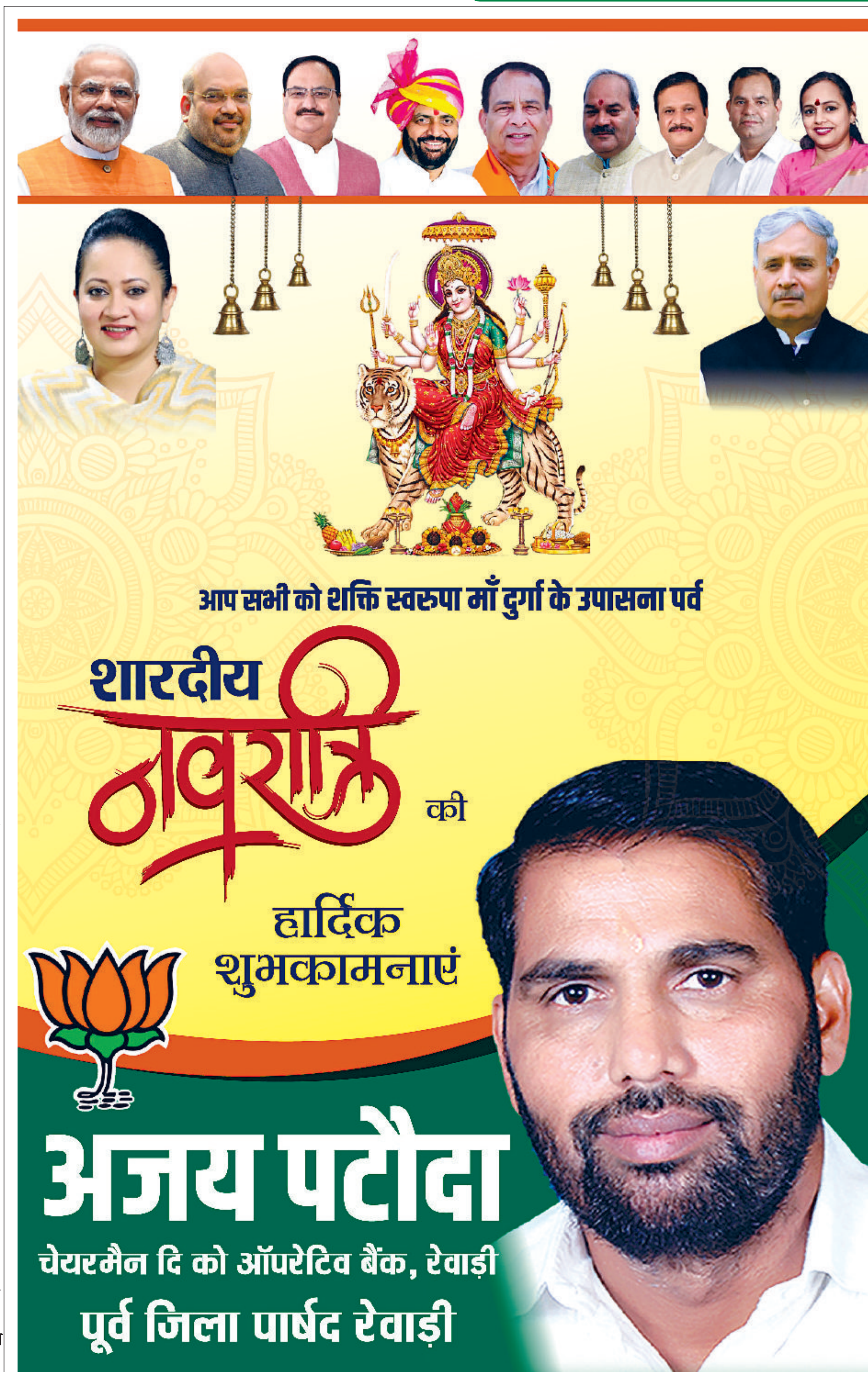

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com
10
रोहतक, मंगलवार
23 सितंबर 2025
हरिभूमि
सहेली
नवरात्र विशेष

आवरण कथा
मोनिका शर्मा

व्यावहारिक धरातल पर बढ़ती स्त्री शक्ति की स्वीकार्यता

यह एक अनुपम संयोग है, इस बार नवरात्रों में बेटी दिवस भी पड़ रहा है। नवरात्र में कन्या पूजन की परंपरा है। बेटियों को देवी का रूप मानकर पूजना मात्र एक रीत नहीं है, यह स्त्री शक्ति का मान है। दूसरी ओर नवरात्र में देवी की उपासना से हमें आध्यात्मिक-मानसिक ऊर्जा मिलती है, हमारी आत्मशक्ति बढ़ती है। इसी आत्मशक्ति से आज महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेधा शक्ति प्रदर्शित कर रही हैं।

बेटियां घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। लक्ष्मीस्वरूपा कही जाती हैं। हमारे परिवारों में बिटिया के मान-मनुहार की रीत सदा से रही है। त्योहारी खुशियां, घर की लाडलियों की मुस्कुराहटों के बिना अधूरी सी लगती हैं। इतना ही नहीं, बिटिया को देवी स्वरूप मानकर पूजन का भी रिवाज है। मां आदिशक्ति की उपासना के ये दिन बेटियों के सशक्त रूप और पूज्यनीय स्थान को ही याद दिलाते हैं। सुखद है कि बेटियां आज कोमलांगी रूप में स्नेह-मान ही नहीं पा रहीं, उनका सशक्त स्वरूप आर्म्ड फोर्सेस से लेकर खेलों की दुनिया तक भी स्पष्ट दिखता है। ऐसे में मां शक्ति की अर्चना के उत्सव में कन्या पूजन की रीत, बेटियों से सशक्त व्यक्तित्व की स्वीकार्यता और स्नेह जताने के भाव से ही जुड़ी है। वहीं पंडालों में मां शक्ति के समक्ष नत होने का भाव स्त्री शक्ति के सामर्थ्य का सुंदर उत्सव सा है।

शक्ति पूजन से जुड़ा रिवाज: बेटियों को देवी का रूप मानकर पूजन करने की रीत मात्र एक रिवाज भर नहीं है। यह स्त्री शक्ति को मान देने की रीत भी है। मां गौरी के सौम्य ही नहीं, रौद्र रूप तक की आराधना का भाव लिए है। शक्ति के प्रति भय नहीं, भावपूर्ण जुड़ाव की झांकी-सा है। असल में नवरात्रों में कन्या का पूजन करने के पीछे बेटियों को सर्वविद्या स्वरूपिणी मानने की आस्था भी है। यही वजह है कि हमारे शास्त्रों में भी मां गौरी स्वरूप मानते हुए बालिकाओं के पूजन को बहुत अहमियत दी गई है। इसका एक प्यारा और प्रगतिशील पक्ष यह भी है कि इससे धार्मिक ही नहीं, सामाजिक-पारिवारिक पहलू भी जुड़े हैं। सामाजिक रूप से कन्या पूजन में कोई जाति भेद ना रखना, रेखांकित करने वाली बात है। वहीं परिवार में भी बिटिया को समान अधिकार और परवरिश मिलने की सोच को बल मिलता है। धार्मिक मोर्चे पर यह मातृ शक्ति के रूप में स्त्री के सामर्थ्य को मान देने का पहलू लिए है।

साहस और सफलता की स्वीकार्यता: असल में नवरात्र शब्द संस्कृत के 'नव' और 'रात्र' से बना है। यहां नव का अर्थ नौ और रात्र यानी रातें है। माता दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों को समर्पित नौ रातों में आस्था और उत्सव की रौनक हर ओर दिखती है। उपवास और आराधना के ये दिन भीतरी बदलाव के भी प्रतीक हैं। यह पर्व राक्षस महिषासुर पर मां शक्ति की विजय का स्मरण करवाता है। यह जीत स्त्री शक्ति और उनके मान के मायने समझाती है। माता भगवती के नौ शक्तिशाली रूपों के सम्मान का भाव कहीं न कहीं महिलाओं के सम्मान और समानता की सोच को भी पोसता है। व्यावहारिक रूप से देखा जाए तो आज हर ओर स्त्रियों की सशक्त उपस्थिति दिखती है। यह मौजूदगी उनके सबल होने का ही प्रतीक है। भारत में महिलाओं की कुल आबादी लगभग 66.3 करोड़ है। इनमें हर आयुवर्ग की स्त्रियां शामिल हैं। महिलाओं के कुल आबादी में से करीब 45 करोड़ महिलाओं की उम्र 15 से 64 वर्ष के बीच है। देश की श्रमशक्ति में अहम हिस्सेदारी निभाने वाली युवतियां हों या परीक्षाओं में अव्वल आने वाली बेटियां, महिलाएं राष्ट्र की रीढ़ बनी हुई हैं। राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में मेडल बटोरने वाली लाडलियां हों या सैन्य मोर्चे पर डटीं बेटियां, ये शक्तिस्वरूपा बन परिवार का ही नहीं, देश का भी मान बढ़ा रही हैं। ग्लोबल मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं आत्मविश्वास से लबरेज नजर आती हैं। स्टार्टअप्स की बात हो या सफल उद्यमियों की, महिलाएं अहम भूमिकाओं में दिख रही हैं। सुखद है कि देश की श्रमशक्ति का हिस्सा बनी स्त्रियों के साहस और सफलता की समग्र समाज में स्वीकार्यता दिखती है। वहीं घर-परिवार को थामने वाली स्त्रियों की भागीदारी और संघर्ष को भी समझा और मन से मान दिया जाने लगा है।

विचार और व्यवहार का परिष्करण: नवरात्र का पर्व समाज में वैचारिक चेतना भी जगाता है। मां की उपासना के इन दिनों में आध्यात्मिक और मानसिक ऊर्जा के उपार्जन को बल मिलता है। पूजन-अर्चन का यह जीवंत उत्सव सकारात्मक सोच और आत्मशुद्धि की ओर प्रवृत्त करता है। 'या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्यभिधीयते' श्लोक के अनुसार-देवी तुम चेतना के रूप में सभी जीवों में स्थित हो। यह भाव मां की सर्वव्यापकता और चेतनामयी उपस्थिति को समझाता है। आराधना से जुड़ा यह भाव इंसानी मन को चैतन्य बनाता है। अपने परिवेश और प्रकृति से जोड़ता है। विचार और व्यवहार के इस परिष्करण से भी स्त्रियों के प्रति मान का भाव बढ़ा है। वहीं आत्मिक ऊर्जा जुटाकर स्त्रियां सबल बन रही हैं, अपने लक्ष्यों तक पहुंच रही हैं। महिलाएं तो विवेक रूपी अस्त्र का प्रयोग कर रूढ़िवादी बंधनों से खुद को मुक्त कर ही रही हैं, समाज भी उनके जाग्रत अस्तित्व को सम्मान देने लगा है। स्त्री शक्ति चेतनामयी बन जीवन के अंतर्द्वंद्वों पर विजय पा रही है। परिवार में भी सधी सोच की सजगता से दमकते बहू-बेटियों के व्यक्तित्व को सराहा जाने लगा है। नवरात्र, मां आदिशक्ति की उपासना का आध्यात्मिक और पारंपरिक पर्व जरूर है पर हर क्षेत्र में भागीदारी दर्ज करवाती महिलाओं के सामर्थ्य और बुराइयों का प्रतिकार करने की उनकी सोच हमें स्त्री शक्ति के वास्तविक स्वरूप से भी मिलवाती है।

नेह-सम्मान का साझा भाव

बेटियां समाज की साझी होती है। उनका मान पूरे समाज की जिम्मेदारी है। संभवतः इसीलिए मां शक्ति की उपासना में, आस-पड़ास और समाज की नौ कन्याओं को भोजन करवाने का रिवाज जुड़ा है। देवी का रूप मानकर कन्या पूजन करने की परंपरा को कंजक कहा जाता है। बंगाल में तो छोटी-छोटी बच्चियों को भी मां कह कर बुलाया जाता है। वहां छठवें दिन मां आदि शक्ति के आह्वान से शुरू होने वाला यह पूजन-अर्चन का उत्सव, दसवें दिन तक चलता है। यहां भी मां गौरी को बेटी के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि माता दुर्गा, इन दिनों ससुराल से मायके आती हैं। आज जब बेटियों की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है, नवरात्र के पर्व से जुड़ी आस्था का भाव उनकी सुरक्षा-सम्मान दोनों का संदेश देता है। कंजक के रूप में छोटी बच्चियों से लेकर मायके आने वाली बिटिया के मान-मनुहार तक, बेटियों को अपना मानने और उनका मान बनाए रखने की साझी रीत को लिए है।

नवरात्रों में ऐसे करें देवी पूजन
सिद्ध होंगी सभी मनोकामनाएं

नवरात्रों में देवी पूजन का विशेष महत्व है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के अलग-अलग नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। अगर आप इस दौरान शास्त्रोक्त विधान से पूजन करेंगी तो देवी माता की विशेष कृपा आपके पूरे परिवार को प्राप्त होगी।

पूजन-विधान
अनिता जैन, वास्तुविद

मां आदिशक्ति भवानी की उपासना, शक्ति की साधना, ऋतुओं के संधिकाल में पड़ने वाला आध्यात्मिक ऊर्जा के संचयन का महापर्व, शारदीय नवरात्र कल (22 सितंबर, सोमवार) से शुरू हो चुका है। आगामी 2 अक्टूबर, मंगलवार को विजय दशमी के साथ इसका समापन होगा।

मां दुर्गा की महिमा: नवरात्र के इन पावन दिनों में मां के भक्त परब्रह्म शक्ति की उपासना करके स्वयं को और अपने परिवार को दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्ति दिला सकते हैं। देवी भागवत के अनुसार दुर्गा ही ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के रूप में सृष्टि का सृजन, पालन और संहार करती हैं। भगवान शिव के कहने पर रक्तबीज शुंभ-निशुंभ, मधु-कैटभ आदि दानवों का संहार करने के लिए देवी पार्वती ने असंख्य रूप धारण किए, लेकिन देवी के प्रमुख नौ रूपों (मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री) की पूजा-अर्चना की जाती है। नवरात्र का हर दिन देवी मां के विशेष रूप को समर्पित होता है, हर स्वरूप की उपासना करने से अलग-अलग प्रकार के मनोरथ पूर्ण होते हैं। शास्त्रों की मान्यता है कि देवी इन नौ दिनों में पृथ्वी पर आकर अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर कर, उन्हें सुख-सौभाग्य, विद्या और दीर्घायु का वरदान प्रदान करती हैं। इसलिए नवरात्र, माता भगवती की साधना का सर्वोत्तम समय होता है। नवरात्र के नौ दिनों में पांच ज्ञान इंद्रियां, पांच कर्म इंद्रियां और एक मन, इन ग्यारह को जो संचालित करती हैं, वही परम शक्ति हैं। यह जीवात्मा, परमात्मा, भूताकाश, चित्ताकाश और चिदाकाश में सर्वव्यापी हैं। इनकी श्रद्धाभाव से आराधना की जाए तो चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति होती है।

ऐसे करें देवी पूजन: नवरात्रों में प्रतिदिन प्रातः घर को साफ-सुथरा करके मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक बनाएं और सुख-समृद्धि के लिए दरवाजे पर आम या अशोक के ताजे पत्तों का तोरण लगाएं। मान्यता है कि माता की पूजा के दौरान देवी के साथ तामसिक शक्तियां भी घर में प्रवेश करती हैं, लेकिन मुख्यद्वार पर बंदनवार लगी होने के कारण तामसिक शक्तियां घर के बाहर ही रहती हैं। इस दिन सुबह स्नानादि करके माता दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर को लकड़ी की चौकी या फिर आसन पर, स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर स्थापित करना चाहिए। मां दुर्गा की मूर्ति के बाईं तरफ श्री गणेश की मूर्ति रखें। उसके बाद माता के समक्ष मिट्टी के बर्तन में जौ बोएं, जौ समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माने जाते हैं। मां की आराधना के समय यदि आपको कोई भी मंत्र नहीं आता हो तो केवल दुर्गा सप्तशती में दिए गए नवार्ण मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे' से पूजा कर सकते हैं और यही मंत्र पढ़ते हुए पूजन सामग्री अर्पित करें। माता शक्ति का यह मंत्र अमोघ है। अगर संभव हो सके तो देवी को श्रृंगार का सामान और नारियल-चुन्नी जरूर चढ़ाएं। अपने पूजा स्थल से दक्षिण-पूर्व की तरफ घी का दीपक जलाते हुए 'ॐ दीप ज्योतिः परब्रह्म दीप ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं पूजा दीप नमोस्तुते' यह मंत्र पढ़ें और आरती करें। देवी मां की पूजा में शुद्ध देसी घी का अखंड दीप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है, सुख-शांति आती हैं।

देवी मां के इन मंत्रों का करें जाप

मान्यता है कि अगर नवरात्र के दौरान मां दुर्गा के मंत्रों का जाप पूरे भक्तिभाव से किया जाए तो व्यक्ति को विशेष फल की प्राप्ति होती है, जीवन भय एवं बाधारहित हो जाता है और साथ ही समस्त सुखों की प्राप्ति होती है।

- सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
  शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोऽस्तुते।।
- ॐ जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी।
  दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।।
- ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै।

अनुभूति
सरस्वती रमेश

परिवार की अनमोल रत्न हैं बेटियां

बेटियां घर-परिवार की वो खुशबू होती हैं, जो सबको अपनेपन से बांधे रखती हैं। सबको आपस में जोड़, घर की ताकत बढ़ाती हैं बेटियां। ऐसे में बेटियां इस बात की हकदार हैं, उन्हें हर परिवार में प्यार-दुलार और मान-सम्मान मिले।

जिस घर में बेटियां होती हैं, वह घर हमेशा प्रेम-स्नेह से सराबोर रहता है। एक भीनी-भीनी आत्मीय सुगंध परिवार के हर सदस्य को मिलती रहती है। जिस तरह गुलाब के फूल पूरे चमन को खूबसूरत बना देते हैं, ठीक ऐसे ही बेटियां, घर-आंगन की रौनक बढ़ा देती हैं। बेटियां परिवार, रिश्तों और भावनाओं को बड़ी तन्मयता से अपने स्नेह के जल से सिंचित करती हैं।

बेटियों से रोशन हैं रिश्ते: बेटियां घर की रौनक होती हैं। बचपन में वो अपनी मासूम हंसी और आत्मीय बातों से सबका मन मोह लेती हैं। बड़ी होने पर अपनी परवाह और देखभाल से सबकी चहेती बन जाती हैं। शादी के बाद यादों में बस कर माता-पिता, दादा-दादी सबकी आंखों में आंसू छलका देती हैं। पहले घर के कामों में आगे बढ़कर मां का हाथ बंटाती हैं, फिर शादी होने के बाद संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ले जाती हैं। ससुराल और मायके के बीच पुल बनकर दो परिवारों को जोड़ती हैं। इस तरह सदियों से चली आ रही सामाजिक परंपरा की धारा को अनवरत जारी रखती हैं। बेटियां, एक रिश्ते में कई रिश्तों के अहसास दिलाती हैं। हर रिश्ते में प्यार की मिठास घोलती हैं बेटियां।

सबकी परवाह करती हैं: पारिवारिक फिल्मों में ऐसे दृश्य खूब दिखाई देते हैं, जिसमें परिवार के सभी सदस्य घर के किसी काम के लिए छोटी या बड़ी बेटी को ही बुलाते हैं। उन्हें पता है कि उनका काम बेटी जरूर कर देगी। बेटी भी खुशी-खुशी मम्मी-पापा, दादा-दादी, काका-काकी की पुकार पर दौड़ी चली आती है। ये सिर्फ फिल्मों के दृश्य नहीं हैं। आज भी हमारे भारतीय परिवारों में रिश्ते-नातों से प्रेम बेटा-बेटी दोनों करते तो हैं, लेकिन बेटी के प्रेम में करुणा, ममता और सेवाभाव भी होता है। पापा की छोटी-मोटी चीजें, दादाजी का चश्मा और दादी की जोड़ों के दर्द की दवाएं कहीं खो गई हैं तो उसे बेटी ही ढूंढ कर लाती है।

घर को सजाती है बेटियां: घर को सहेजने, संवारने में बेटियां जी-जान लगा देती हैं। परिवार से रिश्ता गांठने वाली बेटियां घर के कोने-कोने से संबंध बना लेती हैं। तो हमारी यह जिम्मेदारी बनती है, बेटियों का मान-सम्मान करने के साथ ही, उनके मन को समझने की कोशिश करें। ससुराल जाने के बाद भी उन्हें वही पुराना दुलार-प्यार जीवन भर दें।

बेटी दिवस का संदेश

बेटियां माता-पिता के जीवन की सबसे अनमोल रत्न होती हैं। फिर ऐसा क्यों है कि घर-परिवार और समाज में पीड़ित, प्रताड़ित होने की खबरें आए दिन अखबारों की सुर्खियां बनती हैं। दरअसल, सदियों से चली आ रही ये रीतियां गलत हैं। इन्हें बदलने की पहल हमको, आपको ही करनी होगी। यह हमारी और समाज की जिम्मेदारी है कि उन्हें घर-परिवार में आदर के साथ बराबरी का अधिकार मिले। जिस घर को संवारने में उन्होंने अपना तन-मन लगाया, उस घर की संपत्ति में उन्हें भी बराबर का हक दिया जाए, जिससे किसी मुसीबत में पड़ने पर जब भी वो ससुराल से मायके लौटें तो अपना घर समझ कर लौटें। तो बेटी दिवस (28 सितंबर) पर आप भी संकल्प लें, अपने घर की बेटियों को बिना किसी बंधन या रूढ़ियों के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की आजादी देंगे। बेटी दिवस मनाने के पीछे संदेश भी यही है।

मेकअप
ललिता गोयल

मेकअप करें ऐसे कि फंक्शन में आप दिखें सबसे अलग-गॉर्जियस

नवरात्र के दौरान युवतियां और टीनएजर गर्ल्स गरबा और डांडिया फंक्शन में शामिल होने के लिए मचलने लगती हैं। इस खास अवसर पर महिलाएं ट्रेडिशनल आउटफिट पहनती हैं। इसके साथ आपको अपने मेकअप पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है क्योंकि खूबसूरत मेकअप ही आपके लुक में चार चांद लगाता है। अगर आप भी गरबा नाइट के दौरान खुद को सबसे अलग और गॉर्जियस दिखाना चाहती हैं तो यहां बताए जा रहे टिप्स को फॉलो करें।

फेस क्लीनिंग: डांडिया फंक्शन के लिए मेकअप ऐसा होना चाहिए, जो पसीने से बहे भी नहीं और ज्यादा देर तक टिका भी रहे। इसके लिए मेकअप से पहले चेहरे को क्लींजर से साफ करें और क्लीन फेस पर आइस पैक से मसाज करना भी ना भूलें।

वाटर-बेस्ड प्रोडक्ट्स: गरबा या डांडिया नाइट फंक्शन में शामिल होने के लिए वाटरप्रूफ मेकअप ही अप्लाई करें, क्योंकि अगर मेकअप वाटरप्रूफ नहीं हुआ तो गरबा खेलते हुए पसीना आने से फेस का लुक खराब हो सकता है। वाटर-बेस्ड मेकअप प्रोडक्ट्स अच्छे रहते हैं क्योंकि ये काफी लाइट होते हैं।

सबसे पहले बेस बनाएं: मेकअप शुरू करने से पहले अच्छा फेस प्राइमर जरूर लगाएं। प्राइमर, मेकअप को लंबे समय तक टिके रहने में मदद करता है। प्राइमर लगाने के बाद चेहरे, गले और बैक पर एसपीएफ फ्री फाउंडेशन से बेस बनाए।

कंसीलर यूज करें: मेकअप करते समय चेहरे के दाग-धब्बों को छिपाने के लिए करेक्टर या कंसीलर का इस्तेमाल करें। इसके बाद कॉम्पेक्ट पावडर लगाएं।

ब्लश से शाइनिंग लुक: चेहरे को शाइनिंग लुक देने के लिए चीक्स पर आगे की तरफ से ब्लशर को आउटर चीक्स की तरफ ब्लेंड करें।

लिपस्टिक: गरबा नाइट में तैयार होने के लिए लाइट पीच, न्यूड शेड, लाइट ऑरेंज, कलर की लिपस्टिक का शेड बेहद खूबसूरत लगता है। ये शेड्स पूरे लुक में निखार लाते हैं। लाइट आई शैडो के साथ डार्क कलर की लिपस्टिक लगाएं और डार्क आई शैडो के साथ लाइट कलर की लिपस्टिक लगाएं, यह स्टनिंग लुक देगा।

आई मेकअप: आंखों का मेकअप करने के लिए सबसे पहले वाटर प्रूफ जैल आईलाइनर से आंखों के ऊपरी किनारे पर विंग्ड या स्मज लुक दें। वाटरलाइन पर काजल लगाएं, लेकिन ध्यान रखें कि वह स्मज-प्रूफ हो। इसके बाद वाटर प्रूफ मस्कारा लगाएं। आंखों का मेकअप करते समय अपनी ड्रेस से मैच करता हुआ आईशैडो यूज करें। आई मेकअप को कॉम्प्लीमेंट करने के लिए हल्की आई पेंसिल आईब्रोज पर अप्लाई करें। अंत में मेकअप सेटिंग स्प्रे का यूज करें।

(ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल एडवाइस
डॉ. संजय कुमार चुग
एचओडी-कॉर्डियोलॉजी
नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम

स्पेशल: वर्ल्ड हार्ट-डे, 29 सितंबर

बिगड़ते लाइफस्टाइल, अनहेल्दी फूड हैबिट, ओवर वर्कप्रेशर और अन्य कई कारणों से अब महिलाएं भी बड़ी संख्या में हार्ट डिजीज से ग्रस्त हो रही हैं। इसके कारण, प्रमुख लक्षण और बचाव के बारे में आपको दे रहे हैं बहुत यूजफुल सजेशंस।

तब आपका हार्ट रहेगा हेल्दी

आज के दौर में अनहेल्दी डाइट और गलत लाइफस्टाइल के कारण पुरुषों से अधिक महिलाओं में हार्ट डिजीज की समस्या तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भी हार्ट डिजीज महिलाओं में मौत का प्रमुख कारण बन चुका है, जो पुरुषों की तुलना में अब और भी ज्यादा जानलेवा साबित हो रहा है।

प्रमुख कारण: महिलाओं में हार्ट डिजीज के केसेस बढ़ने के कई कारण हैं। खान-पान पर जरूरी ध्यान ना दिया जाने के अलावा मोटापा भी हार्ट डिजीज का कारण बन सकता है। हाल के वर्षों में भारतीय महिलाओं में मोटापे की दर 40% से अधिक हो चुकी है। मॉडर्न लाइफस्टाइल के कारण महिलाएं अपनी डाइट और हेल्थ-फिटनेस का ध्यान नहीं रख पाती हैं। खासतौर पर डेस्क जॉब करने वाली वर्किंग वूमेन, जो लंबे समय तक इनएक्टिव रहती हैं, अगर वे रेग्युलर एक्सरसाइज न करें तो भी हार्ट डिजीज होने का रिस्क बढ़ जाता है। वर्क फ्रॉम होम का ट्रेंड बढ़ने से जॉब करने वाले प्रोफेशनल्स (पुरुष के साथ महिलाएं भी) को 8 घंटे के बजाय 12-14 घंटे तक लगातार काम करना पड़ता है। हाई प्रेशर जॉब और कम समय में टारगेट पूरा करने जैसी स्थिति में तनाव-हाइपरटेंशन से शरीर में मौजूद कोर्टिसोल हार्मोन का लेवल बढ़ जाता है। यह भी हार्ट हेल्थ के लिए नुकसानदायक होता है। इसके अलावा पिज्जा, बर्गर, नूडल्स जैसे जंक फूड खाना भी हार्मफुल है। इसके साथ ही स्मोकिंग एल्कोहल जैसी चीजों का सेवन करने से भी हार्ट ब्लॉकेज की समस्या हो सकती है। मेनोपॉज के बाद महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल कम हो जाता है, जो हार्ट को सुरक्षा प्रदान करता है। इसी वजह से 50 वर्ष की आयु के बाद अनेक महिलाओं में हार्ट डिजीज का खतरा दोगुना हो जाता है। इसके साथ ही शुगर और थायरॉइड की समस्या भी हार्ट डिजीज के कारणों में से एक है।

प्रमुख लक्षण: महिलाओं में हार्ट डिजीज के लक्षण पुरुषों से अलग होते हैं, जिसके कारण इसके लक्षणों को पहचानने में देरी हो जाती है। महिलाएं इसके लक्षणों को सामान्य थकान या पाचन संबंधी समस्या समझ लेती हैं। आमतौर पर उन्हें सीने में तेज दर्द के बजाय हल्का दर्द, दबाव, जलन या भारीपन महसूस होता है, जो बाएं हाथ, गर्दन, जबड़े या पीठ तक फैल सकता है। सांस लेने में तकलीफ, सांस फूलना, चक्कर आना, अचानक ज्यादा थकान महसूस होना, जी मिचलाना, उल्टी, पेट में दर्द, नींद न आना, चिंता, घबराहट, ठंडा पसीना या अनियमित धड़कन का तेज होना, इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं। यदि ये लक्षण 20-30 मिनट से अधिक रहें, तो तुरंत डॉक्टर से सहायता लें। महिलाओं में हार्ट डिजीज अकसर 'साइलेंट' होता है।

बचाव एवं उपचार: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, लाइफस्टाइल में बदलाव लाकर कॉर्डियो वैस्कुलर डिजीज को कंट्रोल किया जा सकता है। अपनी डाइट में मौसमी फल, सब्जियां, साबुत अनाज, नट्स और हर तरह की दालों को शामिल करें। नमक, चीनी, घी, तेल और मिर्च-मसालों का सीमित इस्तेमाल करें। नियमित रूप से योग, व्यायाम और एक्सरसाइज करें। स्विमिंग भी दिल की सेहत के लिए फायदेमंद होता है। ऐसी एक्टिविटीज की वजह से वजन और ब्लडप्रेशर कंट्रोल रहता है, जो हार्ट डिजीज से बचाव में मददगार साबित होता है।

प्रस्तुति: विनीता कुमारी

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। बाजरे की कटाई के बाद तैयार किया गया खेत।

आसमान में बादलों से किसान चिंतित

रेवाड़ी। मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल रहा है। दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ रहा है। रात के समय तापमान में कमी से गर्मी का असर काफी कम हो गया है, जबकि दिन के समय गर्मी पसीना छुड़ा रही है। आसमान में बादल छाने से किसानों की चिंता बढ़ रही है, परंतु अभी बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है। सोमवार को सुबह से आसमान साफ रहा। तेज धूप निकलने के बाद दोपहर तक गर्मी का असर बना रहा। अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर रहा। न्यूनतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस कम होकर 19.0 डिग्री पर आ गया।

अटेली पुलिस ने किया ग्रामीणों को जागरूक

मंडी अटेली। जिले को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ की ओर से चलाए जा रहे मेरा गांव नशा मुक्त गांव मुहिम रंग ला रही है। इस मुहिम के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अटेली पुलिस की ओर से अटाली में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को जागरूक कर सेवा पखवाड़ा के तहत पौधा भी लगाया।

डाकघर में पेंशन के लिए शेड्यूल जारी

नारनौल। प्रधान डाकघर में अगस्त माह की पेंशन 10 अक्टूबर तक वार्ड अनुसार सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक वितरित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए पोस्टमास्टर ने बताया कि वार्ड नंबर पांच की पेंशन 23 सितंबर को, वार्ड छह की 24 को, वार्ड आठ की 25 को, वार्ड नौ की 26 को, वार्ड 10 की 27 को, वार्ड 11 की 29 को व वार्ड 13 की 30 सितंबर को पेंशन वितरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 14 की एक अक्टूबर को, वार्ड नंबर 15 की तीन को, वार्ड 17 की चार को, वार्ड नंबर एक व 22 की छह को, वार्ड नंबर दो व 23 की सात को व वार्ड नंबर 27 की आठ अक्टूबर को पेंशन वितरित की जाएगी।

पुलिस ने वाहनों पर चिपकाए रिफ्लेक्टर टेप

महेंद्रगढ़। यातायात पुलिस की ओर से वाहन चालकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने के प्रति जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम लगाने का प्रयास किया जा रहा है। यातायात पुलिस ने सोमवार को राव तुलाराम चौक पर वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी और वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप चिपकाए गए और नियमों का पालन के निर्देश दिए।

बाल भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांसद जांगड़ा होंगे मुख्य अतिथि

25 को दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना एप का शुभारंभ, महिलाओं को मिलेंगे 2100 रुपये

सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक कदम और आगे बढ़ाने के लिए योजना शुरू कर रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से सामाजिक न्याय अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछडे वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय विभाग के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक कदम और आगे बढ़ाते हुए 25 सितंबर को एक महत्वाकांक्षी योजना दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरूआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 25 सितंबर को दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के मोबाइल एप का पंचकूला से शुभारंभ करेंगे। रेवाड़ी में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन बाल भवन सभागार में किया जाएगा, जिसमें राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा मुख्य अतिथि होंगे।

योजना के लिए आवश्यक पात्रता

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा।

डीसी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए महिला की उम्र 23 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिए। वह कम से कम 15 वर्ष से हरियाणा की निवासी होनी चाहिए। इसके अलावा परिवार की आय एक लाख रुपए वार्षिक होनी चाहिए। तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कैंसर पीड़ित महिला, दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित महिला, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया से ग्रसित महिला जो पहले से किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ ले रही है वह भी दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र हैं। ये रहेंगे योजना के दायरे से बाहर डीसी ने बताया कि वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा-निराश्रित महिला के लिए वित्तीय सहायता, दिव्यांग पेंशन, लाडली सामाजिक सुरक्षा योजना, कश्मीरी विस्थापित परिवार के लिए वित्तीय सहायता, बौना भत्ता, तेजाब पीड़ित महिला-लड़की को वित्तीय सहायता के लिए योजना का लाभ लेने वाली महिलाएं दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र नहीं होंगी।

पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया होगी निःशुल्क

जिला समाज कल्याण अधिकारी रेणु बाला ने बताया कि महिला के पास हरियाणा का स्थायी निवासी प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर जो कि आधार से लिंक हो, परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड, अगर महिला विवाहित है तो ससुराल के सभी सदस्यों के आधार कार्ड, बिजली बिल का कनेक्शन नंबर, एचकेआरएन रजिस्ट्रेशन नंबर(यदि बेरोजगार हो), महिला-परिवार के सभी सदस्यों के नाम पर रजिस्टर्ड वाहनों का विवरण व महिला के नाम पर रजिस्टर बैंक खाता विवरण आदि दस्तावेज जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि जिला, उपमंडल, खंड, वार्ड व गांवों में लगने वाले शिविरों में योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क होगी, हालांकि सरल केंद्र से आवश्यक दस्तावेज बनवाने के लिए 30 रुपए का शुल्क रहेगा।

महिलाओं के लिए लगेगा स्वास्थ्य जांच शिविर

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि योजना का उद्देश्य राज्य की आर्थिक रूप से कमजोर पात्र महिलाओं को महीने के 2100 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। योजना के लिए आवश्यक एप के शुभारंभ अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से महिलाओं के लिए सभी स्वास्थ्य जांच केंद्रों पर स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि योजना की पात्र महिलाओं से क्रीड की टीम संपर्क कर पंजीकरण के लिए प्रेरित करेगी।

छात्रों का हाउसकीपिंग वीक पर आईजीयू में सफाई अभियान

रेवाड़ी। आईजीयू परिसर में साफ-सफाई करते हुए विद्यार्थी।

- विद्यार्थियों ने विवि परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सक्रिय सहयोग दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के होटल एंड टूरिज्म विभाग में हाउसकीपिंग वीक के अवसर पर स्वच्छ परिसर, स्वस्थ जीवन विषय पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विवि परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व पर प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के जोश और जिम्मेदारी की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ परिसर ही स्वस्थ समाज का आधार है। विभागाध्यक्ष प्रो. अदिति शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के अभियानों से न केवल पर्यावरण स्वच्छ रखने की भावना विकसित होती है, बल्कि विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी प्रबल होती है। इस अवसर पर विभाग के सभी संकाय से सदस्य डा. विक्रांत, डा. आरती, डा. पवन और डा. नवनीत कौशल उपस्थित थे। स्वस्थ जीवन का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की शपथ भी ली।

अपराधियों के झांसे में न आए युवा वर्ग

- डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह ने गांव अलावलपुर व कापड़ीवास के मौजिज व्यक्तियों एवं सरपंचों के साथ संवाद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत सोमवार को डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह ने गांव अलावलपुर व कापड़ीवास के मौजिज व्यक्तियों एवं सरपंचों के साथ संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर पुलिस अधिकारियों को समय पर समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान थाना धारूहेड़ा से इंस्पेक्टर विनोद त्यागी व थाना सेक्टर-6 धारूहेड़ा प्रभारी पीएसआई सचिन कुंडू भी मौजूद थे। इस मौके पर डीएसपी डा. सिंह ने कहा कि पुलिस का प्रयास है कि पुलिस व आमजन में दूरी न रहकर

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए डीएसपी डा. रविन्द्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

आपसी समन्वय रहे। पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध एवं अपराधियों व गैरकानूनी धंधा करने वालों पर कारगर ढ़ग से अंकुश लगाया जा सकता है।

युवा वर्ग अपराधिक गैंग से जुड़े आरोपियों के लुभावने झांसों में आकर या गुमराह होकर जघन्य आपराधिक कृत्य को अंजाम देते है। युवा वर्ग अपराधियों के झांसे में न आए व कानून का सम्मान करें। अपराधिक गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जायगा। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य है, वे शिक्षा एवं खेलों से जुड़ अपना तथा अपने देश का नाम रोशन करे। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर जिले के हॉटस्पॉट पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जिससे छात्राओं व महिलाओं को सुरक्षा का अहसास हो सकें। डीएसपी ने ग्रामीणों से सोशल मीडिया पर सतर्क रहने और किसी भी साइबर ठगी की शिकायत तुरंत 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज कराने का आह्वान किया। उन्होंने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग करने और गति सीमा का पालन करने की भी सलाह दी।

नशे से दूर रहे युवा

डीएसपी ने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए ग्रामीणों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशा बेचने वालों की सूचना निःसंकोच होकर मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 एवं डायल 112 पर दें।

पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही सुरक्षित समाज की स्थापना संभव

- पुलिस का गांव बोडिया कमालपुर, मांढिया खुर्द व बिहारीपुर में जनसंपर्क एवं संवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से सेवा पखवाड़ा के तहत गांव बोडिया कमालपुर, मांढिया खुर्द व बिहारीपुर में जनसंपर्क एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर डीएसपी सिटी जोगेंद्र शर्मा ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया और उनकी पुलिस से संबंधित समस्याओं को सुनकर मौके पर ही थाना प्रभारी को समाधान करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम सदर थाना प्रबंधक इंस्पेक्टर राजेन्द्र कुमार सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। डीएसपी सिटी शर्मा ने ग्रामीणों के साथ

रेवाड़ी। ग्रामीणों को संबोधित करते डीएसपी सिटी जोगेन्द्र शर्मा।

कानून व्यवस्था, साइबर क्राइम से बचाव, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों व नशा उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। साथ ही ग्रामीणों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। इस मौके पर डीएसपी जोगेंद्र ने कहा कि पुलिस तभी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकती है, जब उसे समाज का सहयोग प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि आपराधिक गतिविधियों की सूचना समय पर मिलना पुलिस के लिए अत्यंत आवश्यक है।

शांति और सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की गुटबाजी से दूर रहे ग्रामीण

रेवाड़ी। ग्रामीणों को संबोधित करते डीएसपी पवन कुमार।

- पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध एवं अपराधियों अंकुश लगाया जा सकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस ग्रामीण दौरे करके ग्रामीणों को स्वच्छता, पौधारोपण, महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति जागरूकता अभियान, साइबर सुरक्षा, रक्तदान और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक कर रही है। डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार गांव बोहका, मंदौला, नारायणपुर व राजियाका के मौजिज व्यक्तियों एवं सरपंचों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और पुलिस अधिकारियों को समाधान के उचित दिशा निर्देश दिए। डीएसपी पवन कुमार ने कहा कि पुलिस का प्रयास है कि पुलिस व आमजन में दूरी न रहकर आपसी समन्वय रहे। पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध एवं अपराधियों व गैरकानूनी धंधा करने वालों पर कारगर ढ़ग से अंकुश लगाया जा सकता है। युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

धर्मेंद्र कुमार बने धानक समाज जन जागृति मंच खोल ब्लॉक के प्रधान

- धानक समाज जन जागृति मंच की मीटिंग खोल ब्लॉक के गांव खोल की धानक धर्मशाला में हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

धानक समाज जन जागृति मंच की मीटिंग खोल ब्लॉक के गांव खोल की धानक धर्मशाला में आयोजित की गई। मीटिंग की अध्यक्षता धर्मेंद्र कुमार ने की तथा संचालन दयाराम मोरवाल ने किया।

बैठक में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान रिटायर्ड प्रिंसिपल महेंद्र सिंह, सुभाष सोलंकी, भूपसिंह खरेरा, मोहन सिंह प्रधान, विजय सिंह इंदौरा, रामौतार पचेरवाल, विजय डाबला, नरेंद्र कुमार, टीनू प्रधान, शिवकुमार बोस, राजेश खनगवाल, रवि बामनिया, सुमेर सिंह, रामनिवास, दयानंद आर्य व मनोज कुमार ने अपने विचार रखे।

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद धानक समाज जन जागृति मंच के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

मौजूद रहे

इस अवसर पर हर्ष, सूरज, भूपेंद्र सिंह,सतवीर सिंह, प्रेमप्रकाश मोरवाल, महिपाल सिंह, प्रकाशचंद्र गुर्जरघटाल, हीरालाल सोलंकी, सुनील किराड़, सोमदत्त,सोनू, राकेश खनगवाल, संदीप खनगवाल, छाजूराम सोलंकी, अशोक कुमार मसीत, मनोज कुमार, सतबीर कुमार बामणिया, राजेंद्र बामनिया, सन्नी कुमार, सुनील भारती, योगेंद्र, रिंकू, प्रदीप कुमार, जितेंद्र, सीताराम चौकीदार, बलवंत सिंह, वेद प्रकाश, महिपाल, आकाश, रोहित, जयप्रकाश व रजनीश मौजूद थे।

वक्ताओं ने समाज को नशे के खिलाफ जागरूक करने का निर्णय लिया गया। समाज के बच्चों के लिए जिला स्तर पर कोचिंग संस्थान की व्यवस्था करने का भी निर्णय लिया गया।

खोल में 24 को प्रातः 10 बजे स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा आरती सिंह राव करेंगे शिविर का शुभारंभ

आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं सरल और सुलभ बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन यानि एनएचएम के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार पखवाड़ा अभियान के तहत जिले के गांव खोल में 24 सितंबर को प्रातः 10 बजे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। सिविल सर्जन डा. नरेन्द्र दहिया ने बताया कि स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा आरती सिंह राव करेंगी। उन्होंने बताया कि जांच शिविर में महिलाओं के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर में विभिन्न रोगों की निइशुल्क जांच और विशेषज्ञ परामर्श दिया जाएगा। शिविर में नाक, कान, गला, नेत्र, रक्तचाप मधुमेह, दंत जांच, कैंसर मुख, स्तन, ग्रीवा व गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसवपूर्व जांच, टीकाकरण सेवाएं, एनीमिया का स्तर, टेलीमानस सुविधाएं, टीबी जांच व स्किल सेल स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं दी जाएंगी।

सीएमओ डा. दहिया ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए शिविर में ही मातृ एवं शिशु सुरक्षा यानि एमसीपी कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना नामांकन, आयुष्मान वय वंदना कार्ड, स्किल सेल कार्ड व आभा आईडी कार्ड के पंजीकरण किए जाएंगे।

अग्रसेन चौक पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया ध्वजारोहण

अग्रवाल सभा महिला विंग ने माता के नौ रूपों की प्रस्तुति दी

अग्रसेन जयंती समारोह के तीसरे दिन कई कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अग्रवाल सभा की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के दूसरे दिन रविवार रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि बृजलाल गोयल प्रधान हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर अति विशिष्ट डा. पवन गुप्ता व विशिष्ट अतिथि टैक्स एवं लीगल एडवाइजर सीए नवीन सिंघल थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पार्षद दीपक अग्रवाल पाल्हावासिया ने की। समारोह में कच्ची घोड़ी, बीन पार्टी व ढोल-नंगाड़े आकर्षण का केंद्र रहे। अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता एवं अग्रसेन जयंती समारोह के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में महिला विंग की प्रधान मोना गोयल के नेतृत्व में नारी शशक्तिकरण पर माता रानी के नौ रूपों, महारानी लक्ष्मी बाई का अंग्रेजों से युद्ध व ऑपरेशन सिंदूर का सुंदर मंचन किया गया। अग्रवाल सभा की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों, अतिथियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रमुख समाजसेवी नीरज गोयल ने लक्की ड्रॉ निकाल, जिसमें प्रथम पुरस्कार में उमेश अग्रवाल ने मोटरसाइकिल, द्वितीय पुरस्कार में राहुल अग्रवाल ने इलेक्ट्रिक स्कूटी, तृतीय पुरस्कार में प्रवीन अग्रवाल ने फ्रिज, चौथे पुरस्कार में राजेश कुमार ने वाशिंग मशीन और पांचवें पुरस्कार में स्वारती युवती ने साइकिल जीती। इसके अलावा 11 सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता, उपप्रधान एडवोकेट राकेश गुप्ता, महासचिव राजीव गोयल, सहसचिव संदीप गोयल, कोषाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल, जयंती समारोह के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण अग्रवाल और सहचेयरमैन एडवोकेट मोहित गोयल व महिला विंग की प्रधान मोना गोयल ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी। मंच संचालन मीडिया प्रभारी हेमंत अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर समाज के कॉलेजियम सदस्य, वैश्य समाज के प्रधान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रेवाड़ी। समारोह में प्रस्तुति देते हुए महिला विंग की सदस्याएं।

रेवाड़ी। सोमवार को महाराजा अग्रसेन को नमन करते समाज के लोग।

एआईयूटीयूसी ने फिलिस्तीन की जनता के समर्थन में इजरायल के खिलाफ किया प्रदर्शन

रेवाड़ी। वर्ल्ड फडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स के आह्वान पर सोमवार को फिलिस्तीन के लोगों के साथ वैश्विक एकजुटता के सप्ताह व्यापी कार्यक्रम पर केंद्रीय श्रमिक संगठन ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर यानि एआईयूटीयूसी ने शहर के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पार्क में सभा का आयोजन कर प्रदर्शन किया और फिलिस्तीन की जनता के समर्थन में एकजुटता दिखाई। इस मौके पर एआईयूटीयूसी के राज्य प्रधान कॉमरेड राजेंद्र सिंह ने कहा कि जंगखोर अमेरिकी साम्राज्यवाद की शह पाकर जायोनी इजरायल लंबे समय से फिलिस्तीन पर बर्बर हमले कर रहा है। गाजा पट्टी में बेकसूर फिलिस्तीनियों का नरसंहार और नस्लीय सफाया जारी है। रिपोर्ट के अनुसार अब तक वहां 65 हजार लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। इजरायल की ओर से वहां भूख को लड़ाई के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये ऐसे कार्य हैं, जिनसे वैश्विक जनमत नफरत करता है और ये इंसानियत को शर्मशार करने वाले कुकृत्य हैं। ये अंतराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का घोर उल्लंघन है।

धानक धर्मशाला मंदिर बगीची (रजि.)
ट्रामा सैंटर के सामने सरकुलर रोड, रेवाड़ी (हरियाणा)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धानक धर्मशाला मंदिर बगीची (रजि.), ट्रामा सैंटर के सामने, सरकुलर रोड, रेवाड़ी-123401 में संत शिरामणि बाबा बालक नाथ व बाबा शिम्भू नाथ की समाधि के साथ लगता हुआ पूर्व में बने हुए हॉल जो नीचा पड़ गया है को जैक द्वारा सुरक्षित ढ़ंग से लगभग 3 से 4 फुट ऊपर उठाना है। कुशल फर्म/ठेकेदार जो इस कार्य को करने में सक्षम हो, वह किसी भी कार्यदिवस में आकर उक्त कार्य को देख सकता है व अपनी सीलबंद कुटेशन संस्था के कार्यालय में प्रकाशन की तिथि से 10 दिन में दे सकता है। यह कार्य 1 माह में खत्म करना होगा।
संस्था किसी भी कुटेशन को स्वीकृत या अस्वीकृत कर सकती है। कृप्या अनुभवी फर्म/ठेकेदार ही अपनी कुटेशन दे। साथ में ऐसा कार्य करने के प्रमाण भी फोटोग्राफस सहित कुटेशन के साथ लगायें। कुटेशन दिनांक 02-10-2025 को सायं 5 बजे खोली जाएगी। बाकी शर्तें मौके पर सुना दी जाएगी। प्रदाता फर्म/ठेकेदार को संस्था के साथ इस कार्य को करने के लिए रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करना होगा।

प्रधान: अशोक कुमार मो. नं०: 7206636962
सचिव: श्याम लाल मो. नं०: 8950205978
कोषाध्यक्ष: नरेश कुमार मो. नं०: 9416318744

खबर संक्षेप

शिविर में मरीजों की हुई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गांव रामपुरा के हेल्थ सब सेंटर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जांच की गई। शिविर का शुभारंभ गांव के सरपंच नरेश यादव नरू ने किया। कैंप में 70 वर्ष के ऊपर के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड भी बनाकर वितरित किए गए। इस मौके पर सरपंच नरेश यादव ने कहा कि बीमारियों से बचने के लिए सभी को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए। डा. तेजस्वी यादव, एलएचवी मनोज यादव, सीएचओ विभा, एलटी संजय,आइए रविंद्र अग्रवाल, एएनएम सुशीला, मंजू, एमपीएचडब्ल्यू नरेंद्र, अटेंडेंट काजल तथा आशा वर्कर बिमला, सुशीला, रेखा व भतेरी की टीम ने कैंप में सहयोग दिया।

नवरात्र के अवसर पर की माता की पूजा-अर्चना

रेवाड़ी। बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट की ओर से संचालित आशियाना वृद्धाश्रम में सोमवार को नवरात्र के प्रथम दिन पर मां दुर्गा की पूजा कर कलश स्थापित किया गया।
इस मौके पर ट्रस्ट के सदस्यों ने अखंड ज्योत जलाई व आरती की। संस्था के अध्यक्ष दिनेश राजपाल ने पूरे विधि विधान से वृद्धाश्रम के सभी बुजुर्गों तथा अन्य सदस्यों के साथ मिलकर पूजा अर्चना करके सभी के लिए मंगल कामना की। दिनेश राजपाल ने बताया कि नवरात्र के दौरान वृद्धाश्रम में प्रतिदिन सुबह पूजा होगी तथा रोज शाम को भजन कीर्तन किए जाएंगे। एक अक्टूबर को नवमी पर कन्या पूजन कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के सभी बुजुर्ग एवं संस्था के सदस्य सरला सपड़ा, अमित पोपली, सोनिया पोपली, सिमरन राजपाल, रितेश गुलाटी व सीए जतिन सैनी केंउपस्थित थे।

नवरात्र के पर्व पर आकर्षक लाइटों से जगमग हुए माता के मंदिर, मंदिरों में रही श्रृद्धालुओं की भीड़

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की हुई पूजा

मंदिरों में माता के अलग-अलग स्वरूपों का श्रृंगार किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बारा हजारी मंदिर में सजी मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा, बारा हजारी मंदिर में मां दुर्गा की पूजा करते श्रृद्धालु। फोटो :हरिभूमि

सोमवार को शारदीय नवरात्रे के साथ ही फेस्टिवल सीजन का आगाज हो गया है। नवरात्र पर शहर के सभी माता के मंदिरों को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। बारा हजारी स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर में नवरात्रों के पहले दिन ही काफी भीड़ दिखाई दी।

प्रथम नवरात्र पर शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के व्रत रखकर मां भगवती के प्रथम स्वरुप शैलपुत्री की पूजा अर्चना की। दुर्गा मां के इस पर्व को मनाने के लिए शहर के कई मंदिरों ने विशेष अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। मंदिरों में माता के अलग-अलग स्वरूपों का श्रृंगार किया गया है। मां दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर अपनी मनोकामना पूर्ण करने की मन्नतें भी मांगी। शहर के धारूहेड़ा चुंगी स्थित काली माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा देवी मंदिर, सेक्टर-3 स्थित माता मंदिर, बारा पत्थर स्थित कालीमाता मंदिर व आर्य समाज रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर सहित सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने माता की पूजा-अर्चना की।

आज होगी दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा

मां दुर्गा की उपासना नवशक्तियों का दूसरा स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी का है। मंगलवार को श्रद्धालु मां ब्रह्मचारिणी के स्वरुप की पूरे विधि विधान के अनुसार पूजा अर्चना करेंगे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि मां ब्रह्मचारिणी का स्वरूप पूर्ण ज्योर्तिमय एवं अत्यंत भव्य है। इनके दाहिने हाथ में जप की माला एवं बाएं हाथ में कमंडल रहता है। अपने पूर्वजन्म में जब ये राजा हिमालय के घर में पुत्री के रूप में उत्पन्न हुई थी, तब नारद के कथन से इन्होंने भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठिन तपस्या की थी, एक हजार वर्ष उन्होंने केवल फल-फूल खाकर ही व्यतीत किए थे। मां दुर्गा का यह दूसरा स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से मनुष्य में तप की आग, वैराग्य, सदाचार व संयम की वृद्धि होती है। मां की उपासना से कठिन संघर्षों में भी उपासकों का मन कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होता। मां की कृपा से उपासकों को सर्वत्र सिद्धी और विजयी की प्राप्ति होती है।

एसपी ने कहा अपराधिक गतिविधियां नहीं की जाएंगी बर्दाश्त

अपराधियों को पनाह दी तो खैर नहीं होगी कड़ी कानूनी कार्यवाईः एसपी

पुलिस की ओर से आमजन विशेषकर युवा वर्ग को जागरूकता किया जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। ग्रामीणों व युवाओं को जागरूक करती पुलिस टीम तथा ग्रामीणों को जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में जिला पुलिस की ओर से दो अक्टूबर तक मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक और जन-हितैषी अभियानों की शुरूआत की हुई है। एसपी ने अभियान को लेकर पुलिस की नशा मुक्त टीम सहित सभी पर्यवेक्षण अधिकारी, थाना प्रबंधक व चौकी इंचार्जों को निर्देश दिए हुए है। अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता, पौधरोपण, रक्तदान, कानून व्यवस्था, अपराध व अपराधियों से दूरी,साइबर क्राइम से बचाव, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों व नशा उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रति समाज में जन-जागरूकता फैलाना है, साथ ही युवाओं को नशे व अपराध की गिरफ्त में आने से रोककर एक स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज का निर्माण करना है। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि विदेशों में बैठे अपराधिक गैंग से जुड़े आरोपियों के लुभावने झांसों में आकर या गुमराह होकर कुछ युवा जघन्य आपराधिक कृत्य को अंजाम देते है, ऐसे अपराधियों पर पुलिस की पैनी नजर है। पुलिस की ओर से गांव-गांव जाकर आमजन विशेषकर युवा वर्ग को जागरूकता के माध्यम से यह संदेश पहुंचाया जा रहा है कि वे सोशल मीडिया अथवा किसी भी माध्यम से इनके झांसे में न आकर अपना तथा अपने परिवार का भविष्य खराब न करें, इसके बावजूद यदि कोई ऐसा संगीन कार्य करता है तो उसके विरुद्ध पुलिस सख्ती से निपटेगी तथा कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही भी करेगी। एसपी ने कहा कि अपराधिक गैंग से जुड़े किसी भी अपराधी को पनाह दी तो उनके विरुद्ध भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के तहत अब तक पुलिस की विभिन्न टीमों ने 100 से अधिक गावों में जनसंवाद करके आमजन तक संदेश पहुंचाया है। पुलिस की सभी टीमें आमजन को स्वच्छता, पौधारोपण, महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति जागरूकता तथा साइबर सुरक्षा की भी अहम जानकारियां दे रही है।

युवा किसी भी प्रकार से अपराधियों के झांसे में न आए

जिला पुलिस कप्तान मीणा ने अपराधियों को सख्त एवं स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि जो इस प्रकार के जघन्य कार्यों में संलिप्त होगा, उसके विरुद्ध पुलिस की सख्ती लगातार बरकरार रहेगी। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी प्रकार से अपराधियों के झांसे में न आए, कानून का सम्मान करें तथा अपराधियों से दूरी बनाए रखें, अपराधिक गतिविधियां किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य है, वे शिक्षा एवं खेलों से जुड़कर अपना तथा अपने देश का नाम रोशन करे। एसपी ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गैंग से जुड़ी गतिविधियां या गैंग से जुड़े किसी भी व्यक्ति के ठहराव की सूचना तुरंत पुलिस को दे।

एसपी ने कहा कि अक्सर युवा वर्ग अपराधिक गैंग से जुड़े आरोपियों के लुभावने झांसों में आकर या गुमराह होकर जघन्य आपराधिक कृत्य को अंजाम देते है। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर पूर्णतया लगाम कसने के लिए पुलिस की ओर से गांव-गांव जाकर युवा वर्ग को सतर्क किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पर अपराधियों को हीरो के रूप में प्रस्तुत करना या उनके कृत्यों का समर्थन करना, न केवल कानून के विरुद्ध है, बल्कि समाज में गलत संदेश भी देता है।

रेवाड़ी। विधायक लक्ष्मण यादव के साथ युवा भारत की टीम। फोटो : हरिभूमि

भारत यंग लीडर्स डायलॉग

युवा दिवस का द्वितीय चरण आज से, विधायक से मिली टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मेरा युवा भारत की ओर से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-युवा दिवस-2026 के द्वितीय चरण को लेकर विभाग के पदाधिकारियों ने सोमवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव से मुलाकात की। इस दौरान वीबीवाईएलडी के 12 जनवरी से प्रारंभ होने वाले अभियान की तैयारियों व कार्यक्रम को लेकर जानकारी सांझा की गई। जिला युवा अधिकारी सुमित यादव, लेखा एवं कार्यक्रम सहायक अजय कुमार व कार्यालय सहायक विनय राव ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजनीति में बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि के 1 लाख युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से शुरू किए गए कार्यक्रम विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का दूसरा संस्करण वर्ष 2026 में आयोजित किया जा रहा है। वर्ष 2025 में आयोजित इसका पहला संस्करण एक ऐतिहासिक पहल साबित हुआ था, देशभर से लगभग 30 लाख युवाओं ने भागीदारी की और 3000 युवा दिल्ली के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री के साथ संवाद का हिस्सा बने। वीबीवाईएलडी 2026 में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक युवाओं की भागीदारी को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएगा। इसका पहला चरण ऑनलाइन क्विज के रूप में शुरू किया जा चुका है, जिसमें देशभर के लाखों युवा शामिल होंगे। क्विज राउंड के लिए पंजीकरण मेरा युवा भारत पोर्टल पर खोले जा चुके हैं। क्विज राउंड के लिए पंजीकरण एवं प्रतिभागिता की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। दूसरे चरण में 23 अक्टूबर से 5 नवंबर 2025 तक निबंध प्रतियोगिता आयोजित होगी। चयनित प्रतिभागियों को तीसरे चरण 24 नवंबर से 8 दिसंबर में राज्य स्तर पर पीपीटी चैलेंज के लिए बुलाया जाएगा। चौथा और अंतिम चरण 10 से 12 जनवरी को नई दिल्ली में राष्ट्रीय युवा उत्सव के दौरान आयोजित होगा, जिसे विकसित भारत चैंपियनशिप नाम दिया गया है। विधायक लक्ष्मण यादव ने पूरी टीम को अभियान के लिए शुभकामनाएं दी।

आईजीयू के प्रो. सुनील विश्व की शीर्ष दो प्रतिशत श्रेष्ठ वैज्ञानिकों की सूची में शामिल

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के फामेर्सी विभाग में कार्यरत

प्रोफेसर सुनील कुमार ने विश्व की शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सितंबर 2025 की सूची में अपने कार्य क्षेत्र में बेहतरीन अनुसंधान कार्यों एवं अद्वितीय वैज्ञानिक योगदान की वजह से स्थान पाया है, जोकि विश्वविद्यालय एवं पूरे क्षेत्र के लिए बहुत ही गर्व की बात है। यह सूची स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी अमेरिका की ओर से तैयार की गई है व ऐलसेवियर बीवी ने प्रकाशित की है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले का कार्यभार भी प्रोफेसर सुनील कुमार के पास है एवं फामेर्सी विभाग के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष भी हैं।

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा के साथ आईआईएम रोहतक के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विकास कार्यों व सामाजिक मुद्दों की ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भारतीय प्रबंधन संस्थान यानि आईआईएम रोहतक के एमबीए प्रथम वर्ष के 14 विद्यार्थियों और दो पीएचडी शोधार्थियों ने डीसी अभिषेक मीणा से शिष्टाचार भेंट कर महत्वपूर्ण संवाद किया। विद्यार्थियों के साथ आईआईएम रोहतक के प्रोफेसर शत्रुघन यादव भी मौजूद थे। आईआईएम रोहतक का यह ग्रामीण सहभागिता कार्यक्रम है, जिसमें आईआईएम के विद्यार्थी 26 सितंबर तक ट्रैफिक मैनेजमेंट, माइक्रो स्मॉल मीडियम एंटरप्राइजेज और गांव के अलग-अलग लोगों से इंटरैक्ट करके उनका अध्ययन करेंगे। डीसी मीणा ने विद्यार्थियों को जिले में चल रही प्रमुख सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा आपदा प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक मुद्दों की जानकारी दी। विद्यार्थियों की ओर से डीसी से प्रशासनिक चुनौतियों, नीति निर्माण, और बेहतर सेवा वितरण से जुड़े विषयों पर प्रश्न पूछे गए, जिनका डीसी ने पारदर्शिता से उत्तर देते हुए जानकारी प्रदान की। उन्होंने स्थानीय पारिवारिक व्यवसाय का दौरा करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोण दिए।

> आईआईएम रोहतक के एमबीए प्रथम वर्ष के 14 विद्यार्थियों और दो पीएचडी शोधार्थियों ने डीसी अभिषेक मीणा से शिष्टाचार भेंट की

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

शहीदी दिवस विशेष जब चुनावी मौसम नहीं होता तो अहीरवाल के राजा को आमतौर पर साधारण कार्यक्रमों से ही याद करते हैं

राव तुलाराम शहीदी दिवस आज, साधारण समारोह में दी जाएगी श्रद्धांजलि

- चुनावी सीजन में होते रहे हैं बड़े कार्यक्रम, चुनाव के बाद निभाई जाती है औपचारिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

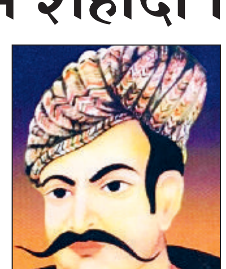

राव तुलाराम।

राव बिरेन्द्र सिंह।

राव इन्द्रजीत सिंह।

आरती राव।

आजादी के महान योद्धा अहीरवाल के राजा राव तुलाराम की शहादत को हर साल 23 सितंबर का दिन शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। मंगलवार को एक बार फिर उनका भावपूर्ण स्मरण किया जाएगा, लेकिन समारोह साधारण ही होंगे। चुनाव करीब होते हैं, तो राव तुलाराम शहीदी दिवस का महत्व काफी बढ़ जाता है। पक्ष और विपक्ष दोनों ओर से बड़े कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। जब चुनावी मौसम नहीं होता, तो अहीरवाल के राजा को आमतौर पर साधारण कार्यक्रमों से ही याद किया जाता है। जिला स्तर पर इस बार शहादत के नमन करने के लिए कोई बड़ा समारोह नहीं होने जा रहा है।

राव तुलाराम ने 1857 के विद्रोह में अहम भूमिका निभाते हुए रेवाड़ी से अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल बजाया था। अंग्रेजों के साथ हुई जंग में हारने के बाद वह तांत्या टोपे के साथ जुड़े।

इसके बाद उन्होंने अंग्रेजी हुकुमत से टकराने के लिए ईरान और अफगानिस्तान पहुंचकर मदद मांगी। राव तुलाराम का जन्म जिले के गांव रामपुरा में 9 दिसंबर 1825 को हुआ था। उस समय राव तुलाराम के पिता राव पूर्ण सिंह का राज था। उनकी रियासत आज के दक्षिण हरियाणा में फैली थी, जिसमें करीब 87 गांव थे। राव तुलाराम महज 14 साल के थे, जब उनके पिता की मौत हो गई थी। इसके बाद उन्हें सिंहासन संभालना पड़ा। अंग्रेजों की नजर इस सिंहासन पर थी और उन्होंने धीरे-धीरे आधी रियासत पर कब्जा जमा लिया। अपनी जमीन वापस पाने के लिए राव तुलाराम ने सेना तैयार करनी शुरू कर दी थी। इस बीच 1857 की क्रांति भड़क गई। राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने अहीरवाल का नेतृत्व संभाल लिया था। राव तुलाराम को दिल्ली के बादशाह बहादुर शाह जफर का भी साथ मिला। उन्होंने हरियाणा में अंग्रेजों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी। 17 मई 1857 को राव तुलाराम 400 से 500 लोगों के साथ रेवाड़ी की तहसील पहुंचे और सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया। अपना हेडक्वॉर्टर बनाने के लिए उन्होंने रामपुरा गांव को चुना। उन्होंने रेवाड़ी के लोगों से दान और कर्ज लेकर पांच हजार लोगों की सेना तैयार कर ली। 2 अक्टूबर 1857 को ब्रिगेडियर जनरल शोवर्स को राव तुलाराम को हराने के लिए भेजा गया।

राव तुला राम को अंदाजा हो गया था कि रामपुरा के मिट्टी के किले में ब्रिटिश सेना को रोक पाना मुमकिन नहीं। इसलिए उन्होंने किला छोड़ दिया। शोवर्स ने राव तुला राम के पास पैगाम भेजा कि अगर वह सरेंडर कर दें तो उनके साथ बेहतर सलूक किया जाएगा। राव तुला राम ने यह ऑफर ठुकरा दिया और आजादी की शर्त सामने रखी। इस बात से गुस्साए अंग्रेजों ने 10 नवंबर 1857 को एक और बड़ी सेना भेज दी। इस बार जबरदस्त तोपखाने के साथ कर्नल जेरार्ड को कमान सौंपी गई।

नारनौल के नसीबपुर में हुई थी जंग

कर्नल जेरार्ड की सेना नारनौल की तरफ बढ़ रही थी। रास्ता रेतीला था। अंग्रेजी सेना नसीबपुर के मैदान के पास पहुंची थी, तभी राव तुलाराम की सेना ने हमला बोल दिया। अंग्रेजी सेना के छक्के छूट गए। कमांडर जेरार्ड समेत कई अफसर मारे गए। हालात बिगड़ते देख कार्यवाहक ब्रिटिश कमांडेंट मेजर कॉलफील्ड ने तोपखाने से बमबारी करने का हुक्म दे दिया। राव तुला राम के सैनिक बहादुरी से डटे रहे, मगर उनकी हार हुई। हार के बावजूद राव तुलाराम वहां से निकलकर विभिन्न रास्तों से होते हुए अफगान तक पहुंचने में कामयाब हुए थे।

शाही सम्मान से हुआ अंतिम संस्कार

जख्मी राव तुलाराम पहले राजस्थान पहुंचे, जहां इलाज कराने के बाद वह तांत्या टोपे की सेना में शामिल हो गए। तांत्या टोपे की सेना की भी जब हार हुई, तो वह पहले ईरान गए और फिर अफगानिस्तान। वहां उन्होंने भारत की आजादी के लिए मदद मांगी। अफगानिस्तान के शासक को उन्होंने मदद के लिए तैयार भी कर लिया था, लेकिन दस्त की वजह से इतनी तबीयत बिगड़ी कि 23 सितंबर 1863 को काबुल में ही राव तुलाराम का निधन हो गया। काबुल में उनका शाही सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया।

राव के नाम पर सियासी इस्तेमाल

राव तुलाराम की विरासत उनके दत्तक पुत्र पूर्व केंद्रीय मंत्री राव बिरेंद्र सिंह ने बखूबी संभाली, जो आज केंद्रीय मंत्री इंद्रजीत सिंह के हाथों में है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि राव तुलाराम के नाम का जमकर सियासी इस्तेमाल होता रहा है। चुनावों के समय सत्ता पक्ष और विपक्ष से जुड़े नेता राव तुलाराम शहीदी दिवस पर बड़े कार्यक्रमों का आयोजन करते रहे हैं। शहीदी दिवस पर बड़ी राजनीतिक रणनीति भी तैयार होती रही हैं, परंतु चुनावों के बाद शहीदी दिवस महज औपचारिक ही बनकर रह जाता है। 23 सितंबर को इस बाद जिले में साधारण कार्यक्रमों में ही उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।